चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 07 सितंबर 2026, अंक –351.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

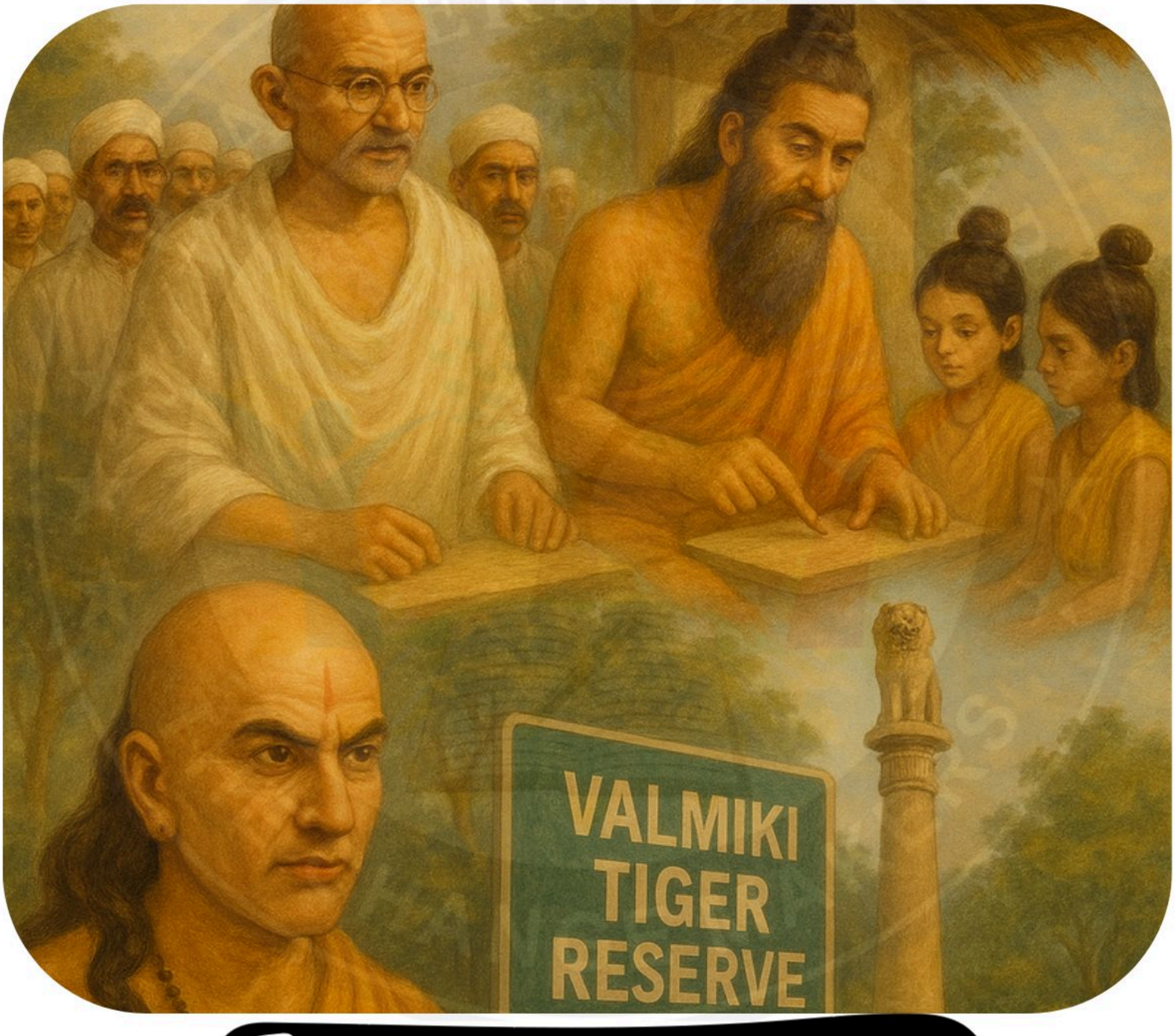

"सत्यमेव जयते" (सत्य की ही जीत होती है)।

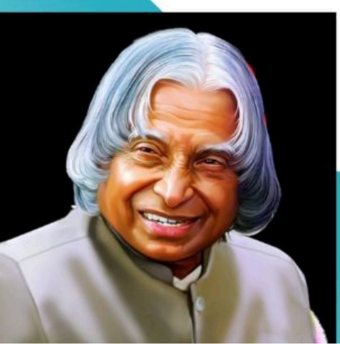

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Saturday Prayer

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

सदा हमारे सिर पर तेरा हाथ रहे,
हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे,
हां, हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे;
खुशियों का हो जीवन में आयाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मिलकर इस धरती को चमन बनाएं हम,
गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम।
हां, गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम;
यही हमारा हो हरदम पैगाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मात-पिता की सेवा और सम्मान करें,
उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
हां, उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
अच्छे कर्म का अच्छा परिणाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर......

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. पुर्तगाल की राजधानी क्या है?
उत्तर: लिस्बन
प्रश्न 2. अंतरिक्ष में जाने वाले पहले मानव कौन थे?
उत्तर: यूरी गागरिन
प्रश्न 3. 'ढोलू कुनिता' किस राज्य का पारंपरिक लोकनृत्य है?
उत्तर: कर्नाटक
प्रश्न 4. 36 का एक-तिहाई कितना होगा?
उत्तर: 12
प्रश्न 5. मंदार पर्वत बिहार के किस जिले में स्थित है?
उत्तर: बाँका
प्रश्न 6. हाथी किस प्रकार का जीव है?
उत्तर: शाकाहारी
प्रश्न 7. टेलीफोन के आविष्कार से सामान्यतः किस वैज्ञानिक का नाम जुड़ा है?
उत्तर: अलेक्जेंडर ग्राहम बेल
प्रश्न 8. भारतीय संविधान में मौलिक कर्तव्यों का उल्लेख किस अनुच्छेद में है?
उत्तर: अनुच्छेद 51A
प्रश्न 9. 'उन्नति' का विलोम शब्द क्या है?
उत्तर: अवनति
प्रश्न 10. चुंबक लोहे की वस्तु को अपनी ओर खींचने के गुण को क्या कहते हैं?
उत्तर: आकर्षण

संकलन:-

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Horizon - हॉराइज़न - क्षितिज
2. Oasis - ओएसिस - मरुद्यान
3. Canyon - कैन्यन - गहरी घाटी / कण्ठ
4. Plateau - प्लैटू - पठार
5. Cliff - क्लिफ - खड़ी चट्टान
6. Peninsula - पेनिन्सुला - प्रायद्वीप
7. Delta - डेल्टा - नदीमुख त्रिभुज / डेल्टा

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: “I am going to + V1”
(मैं ... करने वाला/वाली हूँ।)

मैं आज अपनी किताबें व्यवस्थित करने वाला/वाली हूँ। – I am going to arrange my books today.
मैं शाम को अपने दोस्त से मिलने वाला/वाली हूँ। – I am going to meet my friend in the evening.
मैं एक पत्र लिखने वाला/वाली हूँ। – I am going to write a letter.
मैं पौधों को पानी देने वाला/वाली हूँ। – I am going to water the plants.
मैं आज एक कहानी सुनाने वाला/वाली हूँ। – I am going to tell a story today.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 5 सितंबर को भारत में 'राष्ट्रीय शिक्षक दिवस' (National Teachers' Day) किस महान दार्शनिक, विद्वान और भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)

उत्तर: डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

व्याख्या: भारत में प्रतिवर्ष 5 सितंबर को 'राष्ट्रीय शिक्षक दिवस' देश के प्रथम उपराष्ट्रपति और द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन (5 सितंबर 1888 – 17 अप्रैल 1975) की जयंती पर मनाया जाता है। वे 20वीं सदी के शीर्ष दार्शनिक, विद्वान और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में प्राच्य धर्म व नीतिशास्त्र के प्रोफेसर थे। 1962 में जब वे भारत के राष्ट्रपति बने, तो उनके शिष्यों ने उनका जन्मदिन मनाने का आग्रह किया। तब उन्होंने कहा कि मेरे जन्मदिन को व्यक्तिगत रूप से मनाने के बजाय यदि शिक्षकों के सम्मान के दिवस के रूप में मनाया जाए तो यह मेरे लिए गर्व की बात होगी। 1954 में उन्हें 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया था।

संदर्भ: Ministry of Education, Government of India Official Portal; NCERT Class 11 Political Science, Ch 4 Executive; National Archives of India.

प्र.2. सितंबर 2026 में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) द्वारा जलवायु परिवर्तन और सूखे के प्रति सहनशील किस प्रमुख खाद्यान्न फसल की नई बायो-फोर्टिफाइड एवं उच्च उपज वाली किस्म राष्ट्र को समर्पित की गई? (समसामयिक घटना)

उत्तर: श्री अन्न (बाजरा/कंगनी)

व्याख्या: सितंबर 2026 में आईसीएआर (ICAR) और केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (CAZRI) ने जलवायु-लचीली कृषि (Climate-Resilient Agriculture) के अंतर्गत 'श्री अन्न' (मिलेट्स/बाजरा) की उन्नत बायो-फोर्टिफाइड किस्मों का विमोचन किया। ये किस्में कम पानी, उच्च तापमान और लवणीय मृदा में भी सामान्य से 25% अधिक उपज देने के साथ-साथ जिंक और आयरन से भरपूर हैं। यह पहल राष्ट्रीय पोषण सुरक्षा को मजबूत करने तथा संयुक्त राष्ट्र द्वारा मिलेट्स को वैश्विक सुपरफूड के रूप में बढ़ावा देने की रणनीति के अनुरूप है।

संदर्भ: Indian Council of Agricultural Research (ICAR) Research Dossier September 2026; Ministry of Agriculture and Farmers Welfare Reports; UPSC GS-III Agriculture.

प्र.3. राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध निबंध-ग्रंथ है, जिसमें भारत के सांस्कृतिक इतिहास को चार प्रमुख क्रांतियों के माध्यम से विश्लेषित किया गया है और जिसे 1959 में साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ था? (पुस्तक एवं लेखक)

उत्तर: संस्कृति के चार अध्याय (1956)

व्याख्या: 'संस्कृति के चार अध्याय' (1956) राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की अद्वितीय और युगांतरकारी गद्य रचना है, जिसकी भूमिका पंडित जवाहरलाल नेहरू ने लिखी थी। इस ग्रंथ में दिनकर जी ने भारतीय संस्कृति के समन्वयात्मक स्वरूप (गंगा-जमुनी तहज़ीब) का ऐतिहासिक विश्लेषण चार युगीन क्रांतियों के आधार पर किया है: (1) आर्य-द्रविड़ मिलन, (2) वैदिक कर्मकांड के विरुद्ध बौद्ध और जैन विद्रोह, (3) हिंदू संस्कृति और इस्लाम का संपर्क एवं समन्वय, तथा (4) भारतीय संस्कृति पर पश्चिमी सभ्यता व ब्रिटिश शासन का प्रभाव।

संदर्भ: रामधारी सिंह दिनकर — 'संस्कृति के चार अध्याय', लोकभारती प्रकाशन; साहित्य अकादमी अभिलेख 1959; NCERT Hindi Class 12 Reference

प्र.4. संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) द्वारा 1971 में हस्ताक्षरित 'रामसर सम्मेलन' (Ramsar Convention) मुख्य रूप से पृथ्वी के किस महत्वपूर्ण पारिस्थितिक तंत्र के संरक्षण और संधारणीय उपयोग हेतु समर्पित है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)

उत्तर: आर्द्रभूमि (वेटलैंड्स / Wetlands)

व्याख्या: 2 फरवरी 1971 को कैस्पियन सागर के तट पर स्थित ईरान के रामसर शहर में 'आर्द्रभूमि सम्मेलन' (Ramsar Convention) हस्ताक्षरित हुआ था, जो 1975 से लागू हुआ। आर्द्रभूमियाँ (दलदल, लैगून, मैंग्रोव, झीलें और बाढ़ के मैदान) पृथ्वी के 'गुर्दे' (Kidneys of the Earth) कहलाती हैं क्योंकि ये जल का प्राकृतिक शुद्धिकरण करती हैं, भूजल का पुनर्भरण करती हैं और बाढ़ नियंत्रण में सहायक होती हैं। भारत 1982 में इसमें शामिल हुआ और वर्तमान में भारत में 80 से अधिक रामसर स्थल अधिसूचित हैं, जिनमें बिहार की बेगूसराय स्थित 'कांवर ताल' भी शामिल है।

संदर्भ: Ramsar Convention on Wetlands Official Registry; NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 22–24;

प्र.5. 1857 के विद्रोह के दौरान दिल्ली के अंतिम मुगल बादशाह बहादुर शाह ज़फ़र के नाम पर वास्तविक सैन्य कमान संभालने वाले विद्रोही सेनापति कौन थे, जो बरेली के तोपखाने के सूबेदार थे? (इतिहास)

उत्तर: जनरल बख्त खान

व्याख्या: 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में 11 मई 1857 को मेरठ के विद्रोही सैनिकों ने दिल्ली पहुंचकर वृद्ध मुगल बादशाह बहादुर शाह ज़फ़र को भारत का सम्राट घोषित किया। परंतु आंदोलन का वास्तविक और व्यावहारिक सैन्य नेतृत्व बरेली से आए तोपखाने के सूबेदार बख्त खान ने संभाला। उन्होंने दिल्ली में एक 10-सदस्यीय प्रशासनिक एवं सैन्य परिषद बनाई, जिसमें 6 सैनिक और 4 नागरिक सदस्य थे। बख्त खान ने ब्रिटिश सेनापति निकलसन और हडसन के विरुद्ध अत्यंत वीरतापूर्वक मोर्चा संभाला और दिल्ली के पतन तक अंग्रेजों को कड़ी टक्कर दी।

संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", p. 54–57; NCERT Class 12 Themes in Indian History Part-3, Ch 11.

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. राजस्थान के कोटा और मध्य प्रदेश के मालवा पठार से होकर बहने वाली तथा विंध्य पर्वतमाला से निकलकर यमुना में मिलने वाली वह कौन-सी नदी है जो अपने गहरे बीहड़ों (Ravines / Badland Topography) के लिए कुख्यात है? (भूगोल)

उत्तर: चंबल नदी (Chambal River)

व्याख्या: चंबल नदी का उद्गम मध्य प्रदेश के इंदौर जिले में महू के पास विंध्य श्रेणी की जानापाव पहाड़ी से होता है। यह उत्तर की ओर बहती हुई राजस्थान के कोटा से गुजरती है और उत्तर प्रदेश के इटावा के पास यमुना नदी में मिल जाती है। तीव्र ढाल और जल प्रवाह के कारण यह नदी अपनी घाटी में भीषण अवनालिका अपरदन (Gully Erosion) करती है, जिससे विशाल बीहड़ों (चंबल के बीहड़) का निर्माण हुआ है। इस अपरदित भू-आकृति को भूगोल में 'उत्खात भूमि' (Badland Topography) कहा जाता है। इस पर गांधी सागर, राणा प्रताप सागर और जवाहर सागर बांध निर्मित हैं।

संदर्भ: NCERT Geography Class 10 (समकालीन भारत-2), Ch 1 "संसाधन एवं विकास", p. 11–13;

प्र.7. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में निहित 'गणराज्य' (Republic) शब्द का क्या अर्थ है और यह व्यवस्था किस देश के संविधान से प्रेरित है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: राज्य का प्रमुख निर्वाचित होना (वंशानुगत नहीं); फ्रांस का संविधान

व्याख्या: भारतीय संविधान की उद्देशिका में प्रयुक्त 'गणराज्य' (Republic) का तात्पर्य है कि भारत का राष्ट्राध्यक्ष (राष्ट्रपति) वंशानुगत या पैतृक सम्राट नहीं होता, बल्कि एक निश्चित कार्यकाल (5 वर्ष) के लिए जनता द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से चुना जाता है। गणराज्य में राजनीतिक संप्रभुता किसी एक व्यक्ति या राजा के हाथ में न होकर देश की जनता में निहित होती है और किसी भी नागरिक के लिए सभी सार्वजनिक पद बिना किसी भेदभाव के खुले होते हैं। भारत ने यह गणतांत्रिक शासन प्रणाली और प्रस्तावना के स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व के आदर्श फ्रांस की क्रांति और फ्रांसीसी संविधान से ग्रहण किए हैं।

संदर्भ: Constitution of India, Preamble; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 1 "संविधान: क्यों और कैसे?", p. 18–22; UPSC GS-II Polity.

प्र.8. पौधों की पत्तियों में उपस्थित वह कौन-सा हरा वर्णक है जो सूर्य के प्रकाश की ऊर्जा को अवशोषित कर प्रकाश संश्लेषण द्वारा रासायनिक ऊर्जा (ग्लूकोज) में रूपांतरित करता है? (विज्ञान)

उत्तर: क्लोरोफिल (पर्णहरित / Chlorophyll)

व्याख्या: क्लोरोफिल पौधों की हरी कोशिकाओं के 'क्लोरोप्लास्ट' (हरितलवक) में पाया जाने वाला एक जटिल मैग्नीशियम-युक्त जैव वर्णक है। प्रकाश संश्लेषण क्रिया में क्लोरोफिल मुख्य रूप से सूर्य के प्रकाश के नीले और लाल स्पेक्ट्रम को अवशोषित करता है और हरे प्रकाश को परावर्तित कर देता है, जिसके कारण पत्तियां हरी दिखाई देती हैं। अवशोषित प्रकाश ऊर्जा का उपयोग जल (H_2O) के अणुओं को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में तोड़ने (फोटोलीसिस) और कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) को अपचयित करके कार्बोहाइड्रेट (ग्लूकोज) के संश्लेषण में किया जाता है।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 6 "जैव प्रक्रम", p. 104–108; NCERT Science Class 7, Ch 1 Nutrition in Plants, p. 2–5;

प्र.9. भरत मुनि के नाट्यशास्त्र पर आधारित शास्त्रीय नृत्य शैलियों में वह कौन-सा रूप है जिसमें नर्तक जटिल मुखौटे और विशिष्ट आंगिक वेशभूषा पहनकर रामायण-महाभारत की बुराई पर अच्छाई की विजय की कथाओं का मंचन करते हैं? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: कथकली (Kathakali - केरल)

व्याख्या: कथकली (शाब्दिक अर्थ: कथा का नाटक) केरल का एक उच्च शास्त्रीय और नाटकीय नृत्य रूप है, जिसकी उत्पत्ति 17वीं शताब्दी के 'कोट्टारक्करा थंपुरन' के रामनाट्टम से मानी जाती है। इसमें नर्तक बोलता नहीं है, बल्कि उसके चेहरे के 9 भाव (नवरस), आंखों की गति और 24 बुनियादी हस्त-मुद्राएं (हस्तलक्षणदीपिका) कथा को व्यक्त करती हैं। पृष्ठभूमि में गायक चेंडा और मड्डलम वाद्ययंत्रों के साथ गाते हैं। इसके पात्रों के चेहरे पर विशिष्ट रंग लेपन (मेकअप) किया जाता है: 'पच्चा' (हरा रंग) सात्विक और दैवीय नायकों के लिए, 'कथ्थी' (चाकू/मूंछ) तामसिक व अहंकारी पात्रों के लिए, और 'थाड़ी' (दाढ़ी) क्रूर दानवों के लिए प्रयुक्त होती है।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (An Introduction to Indian Art Part-1), Ch 8;

प्र.10. 1912 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 27वां वार्षिक अधिवेशन बिहार में पहली बार किस स्थान पर आयोजित हुआ था, जिसकी अध्यक्षता राव बहादुर रघुनाथ नरसिंह मुधोलकर ने की थी? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: बांकीपुर (पटना)

व्याख्या: भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का बिहार की धरती पर पहला ऐतिहासिक अधिवेशन वर्ष 1912 में पटना के 'बांकीपुर' में संपन्न हुआ था। यह कांग्रेस का 27वां वार्षिक अधिवेशन था। इसकी अध्यक्षता अमरावती के प्रसिद्ध वकील और समाज सुधारक राव बहादुर रघुनाथ नरसिंह मुधोलकर (R. N. Mudholkar) ने की थी। इस अधिवेशन के स्वागत समिति के अध्यक्ष मौलाना मजहरुल हक थे तथा सच्चिदानंद सिन्हा इसके महासचिव थे। इसी बांकीपुर अधिवेशन में युवा बैरिस्टर पंडित जवाहरलाल नेहरू पहली बार कांग्रेस के प्रतिनिधि के रूप में शामिल हुए थे। इसके उपरांत 1922 में बिहार का दूसरा अधिवेशन गया में चितरंजन दास की अध्यक्षता में हुआ था।

संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 History & Culture of Bihar;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: सितंबर W1 – डायरिया एवं ORS बनाने का कौशल एवं प्रशिक्षण) के अनुसार निर्जलीकरण (Dehydration) से बचाव हेतु घर पर ओआरएस घोल बनाने का सही अनुपात क्या है और इसे कितने समय के भीतर उपयोग कर लेना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: 1 लीटर उबला-ठंडा पानी, 6 चम्मच चीनी, आधा चम्मच नमक; 24 घंटे में उपयोग

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (सितंबर W1: डायरिया एवं ORS कौशल प्रशिक्षण) के अनुसार, डायरिया/दस्त के कारण शरीर से पानी और आवश्यक लवणों (इलेक्ट्रोलाइट्स) की भारी कमी हो जाती है, जिससे निर्जलीकरण (Dehydration) का घातक खतरा होता है। ओआरएस (ORS) घोल तैयार करने की मानक विधि: (1) 1 लीटर पीने योग्य साफ पानी को उबालकर ठंडा करें; (2) इसमें 6 छोटी चम्मच (लगभग 20-25 ग्राम) चीनी और आधा छोटी चम्मच (लगभग 2.5-3 ग्राम) साधारण नमक अच्छी तरह घोलें; (3) पैकेट वाले मानक ORS का उपयोग करते समय भी उसे पूरे 1 लीटर पानी में ही घोलें; (4) तैयार ORS घोल को ढककर रखें और 24 घंटे के भीतर ही पिलाएं, 24 घंटे बाद बचा हुआ घोल फेंककर नया घोल बनाएं।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module September W1 – "डायरिया एवं ORS बनाने का कौशल एवं प्रशिक्षण"

प्र.12. एक कक्षा में लड़कों और लड़कियों का अनुपात 4:3 है। यदि 10 नए लड़के और 15 नई लड़कियाँ कक्षा में प्रवेश लेते हैं, तो नया अनुपात 1:1 हो जाता है। बताइए कक्षा में प्रारंभ में कुल कितने विद्यार्थी (लड़के और लड़कियाँ मिलाकर) थे? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 35 विद्यार्थी

व्याख्या: यह अनुपात और रैखिक समीकरण पर आधारित तार्किक गणितीय प्रश्न है। माना कि प्रारंभ में लड़कों की संख्या = 4x और लड़कियों की संख्या = 3x है। नए दाखिले के बाद लड़कों की कुल संख्या = 4x + 10 और लड़कियों की कुल संख्या = 3x + 15 हो जाती है। नया अनुपात 1:1 है, जिसका अर्थ है कि दोनों की संख्या बराबर हो गई: 4x + 10 = 3x + 15। पक्षांतरण करने पर: 4x - 3x = 15 - 10, जिससे x = 5 प्राप्त होता है। अतः प्रारंभ में लड़कों की संख्या = 4 * 5 = 20 और लड़कियों की संख्या = 3 * 5 = 15 थी। प्रारंभ में कक्षा में कुल विद्यार्थियों की संख्या = 20 + 15 = 35 विद्यार्थी थे।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 8, Ch 2 "एक चर वाले रैखिक समीकरण", p. 24–28;

GS संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण |

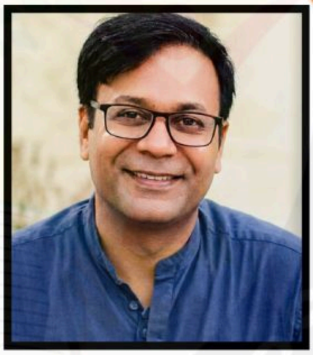

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Adroit (अड्रॉइट) = Skillful (स्किलफुल) = कुशल / निपुण / दक्ष
   Antonym – Clumsy (क्लम्ज़ी) = अनाड़ी / भद्दा
2. Bellwether (बेलवेदर) = Leader (लीडर) = मार्गदर्शक / नेतृत्व करने वाला / दिशा बताने वाला
   Antonym – Follower (फॉलोअर) = अनुयायी
3. Cacophony (कैकॉफनी) = Din (डिन) = कर्कश शोर / बेसुरा शोर
   Antonym – Harmony (हार्मनी) = मधुर सामंजस्य / तालमेल
4. Dauntless (डॉन्टलेस) = Fearless (फियरलेस) = निडर / निर्भीक
   Antonym – Cowardly (काउर्डली) = डरपोक / कायर
5. Ephemeral (इफेमरल) = Transient (ट्रांज़िएंट) = क्षणभंगुर / अल्पकालिक
   Antonym – Enduring (एन्ड्यूरिंग) = स्थायी / लंबे समय तक रहने वाला

~: संकलन :~

राकेश कुमार राव

प्रधानाध्यापक

PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय

वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण |

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

1. PM Modi Attends SRCC Centenary on Teachers' Day; Travels by Delhi Metro, Releases ₹100 Commemorative Coin
हिन्दी अनुवाद: PM मोदी ने शिक्षक दिवस पर SRCC के शताब्दी समारोह में भाग लिया; दिल्ली मेट्रो से पहुँचे, ₹100 का स्मारक सिक्का जारी किया — Gen Z से सीधा संवाद।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 5 सितम्बर 2026 — शिक्षक दिवस एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती — को दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (SRCC) की 100वीं स्थापना वर्षगाँठ पर 2013 के बाद पहली बार कॉलेज का दौरा किया। PM मेट्रो से आए और रास्ते में छात्रों से मिले। SRCC की स्थापना 1926 में उद्योगपति एवं परोपकारी Sir Shri Ram ने की थी। PM ने ₹100 का स्मारक सिक्का जारी किया, Gen Z छात्रों से सीधे संवाद किया और राष्ट्र-निर्माण में शिक्षा की भूमिका पर विचार साझा किए। शिक्षा मंत्री प्रल्हाद जोशी भी उपस्थित रहे। SRCC के उल्लेखनीय पूर्व छात्रों में उद्योगपति, नीति-निर्माता और प्रशासक शामिल हैं। UPSC/BPSC परीक्षाओं के लिए: शिक्षक दिवस — 5 सितम्बर; डॉ. राधाकृष्णन — भारत के दूसरे राष्ट्रपति।

2. India Backs UNGA 'Equal Earth' Map Resolution but Warns: J&K and Ladakh Must Reflect India's Official Map
हिन्दी अनुवाद: भारत ने UNGA की 'Equal Earth' मानचित्र प्रस्ताव का समर्थन किया पर चेतावनी दी — J&K और लद्दाख को भारत के आधिकारिक मानचित्र के अनुसार दर्शाना अनिवार्य है।
MEA ने 6 सितम्बर को कहा कि भारत ने 4 सितम्बर को UNGA में पारित "Correct the Map: Rebalancing Global Cartographic Representation" प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया — जिसका उद्देश्य महाद्वीपीय भूभागों के सापेक्ष आकारों को अधिक सटीकता से दर्शाने के लिए Equal Earth प्रक्षेपण को प्रोत्साहित करना है। यह प्रस्ताव Togo द्वारा प्रायोजित था और 164 देशों के समर्थन से पारित हुआ। MEA प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने स्पष्ट किया — "भारत की संप्रभु भूमि, जिसमें J&K और लद्दाख शामिल हैं, को भारत के आधिकारिक मानचित्र के अनुसार दर्शाया जाना चाहिए। कोई भी असत्य या भ्रामक चित्रण अस्वीकार्य है।" साथ ही यह भी कहा — "यह प्रस्ताव किसी विशेष मानचित्र या राजनीतिक सीमाओं का समर्थन नहीं करता।" UPSC/BPSC के अंतरराष्ट्रीय संगठन और भारत की विदेश नीति खंड के लिए महत्वपूर्ण।

3. India BRICS Presidency: 18th BRICS Summit in New Delhi on September 12-13; Xi Jinping and Putin Expected; Delhi on Alert
हिन्दी अनुवाद: भारत की BRICS अध्यक्षता: 18वाँ BRICS शिखर सम्मेलन 12-13 सितम्बर को नई दिल्ली में; शी जिनपिंग और पुतिन के आने की उम्मीद; दिल्ली हाई अलर्ट पर।
18वाँ BRICS शिखर सम्मेलन 12-13 सितम्बर 2026 को नई दिल्ली में होगा जिसकी मेज़बानी PM मोदी करेंगे। 2026 में BRICS अध्यक्षता भारत के पास है; थीम है — "Building for Resilience, Innovation, Cooperation and Sustainability।" BRICS में अब 10 पूर्ण सदस्य हैं — ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, ईरान, UAE और इंडोनेशिया। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग (जो 2019 के महाबलीपुरम अनौपचारिक शिखर के बाद पहली बार भारत आएंगे) और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आने की उम्मीद है।

INTERNATIONAL NEWS

1. Iran Fires Ballistic Missiles at US Aircraft Carrier and Destroyer; US Destroys 3 IRGC Oil Tankers — Gulf Conflict Dangerously Escalates
हिन्दी अनुवाद: ईरान ने US Aircraft Carrier और Destroyer पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं; US ने 3 IRGC तेल टैंकर नष्ट किए — होर्मुज़ युद्ध खतरनाक रूप से भड़का।
ईरान के IRGC ने 6 सितम्बर को US Navy के एक Aircraft Carrier और एक Guided-Missile Destroyer पर कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं — IRGC का आरोप था कि ये जहाज "ईरानी जहाज़ों को परेशान कर रहे थे।" अमेरिकी CENTCOM ने कहा — दोनों जहाज़ों ने सफलतापूर्वक मिसाइलें टाल दीं; कोई US जवान घायल नहीं हुआ। जवाब में CENTCOM ने IRGC के तीन crude oil tankers नष्ट किए — M/T Downy (Kharg Island के पास), M/T Stark 1 (Jask के पास) और M/T Kylo (Gulf of Oman में डुबोया)। CENTCOM कमांडर Admiral Brad Cooper ने कहा — "यदि आप हमारे दो जहाज़ों पर हमला करते हैं, हम आपके तीन नष्ट करेंगे।" IRGC ने दावा किया कि उसने Strait of Hormuz में 6 जहाज़ों पर हमला किया। US-Iran 60-दिवसीय युद्धविराम खतरे में; भारत के लिए चिंता — क्षेत्र में हज़ारों भारतीय नागरिक हैं।

2. 18th BRICS Summit: India to Host Modi-Xi-Putin Trilateral; Focus on De-Dollarisation, AI and Middle East Crisis
हिन्दी अनुवाद: 18वाँ BRICS शिखर सम्मेलन: भारत में मोदी-शी-पुतिन त्रिपक्षीय; डी-डॉलराइज़ेशन, AI और मध्य-पूर्व संकट पर ध्यान।
BRICS अब वैश्विक GDP (PPP) का ~41% हिस्सा रखता है — G7 के 28% से अधिक। भारत की BRICS 2026 अध्यक्षता ने cross-border payment framework का प्रस्ताव किया है जो राष्ट्रीय भुगतान प्रणालियों को जोड़ेगा और स्थानीय मुद्रा निपटान सुनिश्चित करेगा। शिखर सम्मेलन में US-Iran युद्ध, ऊर्जा सुरक्षा, AI सहयोग, वैश्विक संस्थान सुधार (UN, IMF, WB) और रूस-यूक्रेन संघर्ष पर चर्चा होगी। यदि शी की यात्रा की पुष्टि होती है तो यह 2019 के बाद भारत-चीन के बीच सर्वोच्च स्तरीय बैठक होगी।

3. Madhya Pradesh Hooch Tragedy: 9 Dead After Consuming Spurious Liquor in Sagar
हिन्दी अनुवाद: मध्य प्रदेश में ज़हरीली शराब त्रासदी: सागर में नकली शराब पीने से 9 की मृत्यु — जाँच जारी।
मध्य प्रदेश के सागर ज़िले में ज़हरीली शराब (hooch) पीने से 9 लोगों की मृत्यु हो गई है। यह घटना 6 सितम्बर को सामने आई — स्थानीय प्रशासन ने जाँच शुरू कर दी है और कई लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। MP में पहले भी कई बार नकली शराब कांड हुए हैं। यह घटना प्रतियोगी परीक्षाओं में सामाजिक मुद्दे, सार्वजनिक स्वास्थ्य और राज्य उत्पाद शुल्क प्रबंधन के संदर्भ में प्रासंगिक है।

BIHAR NEWS

1. Bihar Flood Worst in Decades: Ganga at Historic High in Patna — 127 cm Above Danger; CM Samrat Choudhary Conducts Aerial Survey of Bhagalpur-Naugachia; 20 Lakh Cusecs Flow
हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़: पटना में गंगा ऐतिहासिक ऊँचाई पर — खतरे के निशान से 127 cm ऊपर; CM सम्राट चौधरी ने भागलपुर-नवगछिया का एरियल सर्वे किया; गंगा में 20 लाख क्यूसेक का प्रवाह।
बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 5 सितम्बर को भागलपुर और नवगछिया का एरियल सर्वेक्षण किया और बेगूसराय पहुँचकर राहत-बचाव कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने कहा — "लगभग 20 लाख क्यूसेक पानी गंगा नदी से प्रवाहित हो रहा है — यह चिंता का विषय है। हालाँकि प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।" बिहार सरकार ने कहा कि जहाँ आवश्यकता होगी वहाँ ring dams बनाए जाएंगे और नए रिंग डैम का निर्माण होगा। गांधी घाट (पटना) पर गंगा खतरे के निशान से 127 cm ऊपर है; सितम्बर में अब तक 60.8 mm वर्षा — सामान्य से 69% अधिक। 38 community kitchens प्रभावित ज़िलों में चालू। 27 SDRF और 9 NDRF टीमें तैनात। प्रभावित ज़िले: पटना, वैशाली, मुजफ्फरपुर, भागलपुर, भोजपुर, खगड़िया, पूर्णिया, मधेपुरा, सहरसा, कटिहार।

2. West Champaran Flood: Gandak Barrage Pre-Emptive Action Praised; Bihar Govt Fish Advisory After Nepal Floods
हिन्दी अनुवाद: पश्चिम चम्पारण बाढ़: CM सम्राट चौधरी की अगुआई में Gandak Barrage की पूर्व-सतर्कता सराही गई; नेपाल की बाढ़ के बाद बिहार सरकार की मछली न खाने की एडवाइज़री।
बिहार के CM सम्राट चौधरी ने 3 सितम्बर को माँ गंगा के बढ़ते जलस्तर का निरीक्षण किया और राहत-बचाव के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। BJP सांसद संजय जायसवाल ने CM सम्राट चौधरी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा — "गंडक बैराज को समय से खोलने की CM की सूझ-बूझ से चम्पारण में बड़ी बाढ़ टल गई।" नेपाल की बाढ़ से बह कर आई मछलियों के संदूषण की आशंका को देखते हुए बिहार सरकार ने लोगों को संदिग्ध मछली न खाने की एडवाइजरी जारी की है।

SPORTS NEWS

1. India Women Demolish Pakistan for 55 — Lowest Ever T20I Score — in Women's Asia Cup; Harmanpreet Creates History with 150th T20I Captaincy
हिन्दी अनुवाद: Women's Asia Cup: भारत ने Pakistan को T20I इतिहास के सबसे कम 55 रनों पर समेटा; हरमनप्रीत कौर ने T20I में 150वीं कप्तानी का ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया।
5 सितम्बर को Dubai में Women's Asia Cup 2026 के Group A मुकाबले में भारतीय महिला टीम ने Pakistan को T20I क्रिकेट इतिहास के सबसे कम स्कोर 55 रनों पर ऑल-आउट कर 7 wickets से जीत दर्ज की। Shree Charani (3/7) और Prema Rawat (3/9) ने Pakistan की रीढ़ तोड़ी। Harmanpreet Kaur ने T20I में 150वीं कप्तानी कर इतिहास रचा — वे ऐसा करने वाली किसी भी लिंग की पहली क्रिकेटर हैं। भारत इस Asia Cup में लगातार तीनों मैच जीत Group A में शीर्ष पर है। इससे पहले 3 सितम्बर को Smriti Mandhana ने Hong Kong के विरुद्ध 64 गेंदों में 124 रन की धमाकेदार पारी खेली थी।

2. US Open 2026 Tennis: Sumit Nagal, Sania Mirza-Rohan Bopanna Mixed Doubles in Action; Naomi Osaka Stuns Coco Gauff
हिन्दी अनुवाद: US Open 2026: Naomi Osaka ने Coco Gauff को बड़े उलटफेर में हराया; New York में Grand Slam का रोमांच जारी।
US Open 2026 Tennis Tournament न्यूयॉर्क में जारी है। जापान की Naomi Osaka ने US Open 2026 में एक बड़े उलटफेर में Coco Gauff को हराया — यह Osaka की ग्रैंड स्लैम में वापसी का उल्लेखनीय प्रदर्शन है। भारत के शीर्ष पुरुष एकल खिलाड़ी Sumit Nagal अपने अभियान में आगे बढ़ रहे हैं। BRICS Summit से पहले दिल्ली में बड़े खेल आयोजनों पर असर पड़ सकता है।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

🌱 "शिक्षक वह दीपक है जो स्वयं जलकर दूसरों को रोशन करता है।

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

एक पंक्ति का विश्वास

(शिक्षक दिवस विशेष)

कक्षा में उत्तर-पुस्तिकाएँ बाँटी जा रही थीं। बच्चों के चेहरे पर उत्सुकता थी, लेकिन अजय चुपचाप अपनी कॉपी को बैग में रखने लगा। उसके अंक फिर कम थे। उसे लगने लगा था कि शायद वह कभी उन बच्चों जैसा नहीं बन पाएगा, जिनके नाम हर बार अच्छे अंकों के लिए लिए जाते हैं।

गीता मैडम ने अजय को रोककर उसकी उत्तर-पुस्तिका खोली। उन्होंने गलतियों पर लाल निशान लगाने के बजाय एक सही उत्तर के नीचे लिखा—

"अजय, तुम्हारे अंक तुम्हारी क्षमता नहीं बताते, तुम्हारी कोशिश बताएगी।"

अजय ने वह पंक्ति कई बार पढ़ी। मैडम ने न कोई लंबा भाषण दिया, न कोई बड़ा वादा। बस इतना कहा कि अगली बार वह अपनी पिछली परीक्षा से थोड़ा बेहतर करने की कोशिश करे।

उस दिन से अजय ने दूसरों से आगे निकलने के बजाय खुद से आगे बढ़ने का प्रयास शुरू किया। पहले उसने एक अध्याय ठीक से पढ़ा, फिर रोज कुछ प्रश्न हल किए। अगली परीक्षा में उसके अंक बहुत ज्यादा नहीं बढ़े, लेकिन वह पिछली बार से बेहतर था।

गीता मैडम ने फिर उसकी कॉपी पर लिखा—"देखा, तुम कर सकते हो।"

यह सिलसिला चलता रहा। कुछ महीनों बाद अजय कक्षा के सबसे अधिक अंक पाने वालों में नहीं था, लेकिन अब वह किसी कठिन प्रश्न को देखकर घबराता नहीं था। उसे अपनी क्षमता पर भरोसा हो गया था।

शिक्षक दिवस पर विद्यालय में बच्चों ने अपने शिक्षकों के लिए संदेश लिखे। अजय ने गीता मैडम को एक छोटा-सा कार्ड दिया। उसमें लिखा था—

"मैडम, आपने मुझे अच्छे अंक नहीं दिए थे, आपने उससे भी बड़ी चीज दी थी—अपने ऊपर विश्वास करने की वजह।"

गीता मैडम कुछ क्षण उस कार्ड को देखती रहीं। उन्हें समझ आ गया कि कभी-कभी शिक्षक का सबसे बड़ा पुरस्कार किसी बच्चे की बदली हुई सोच होती है।

प्रेरक सीख: किसी को आगे बढ़ाने के लिए हमेशा बड़े साधनों की जरूरत नहीं होती। कभी-कभी प्रोत्साहन के दो सच्चे शब्द किसी की छिपी क्षमता को पहचानकर उसकी पूरी दिशा बदल देते हैं।

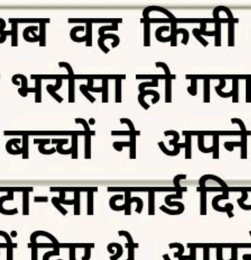

.................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"पाठक पृष्ठ"

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अभिभावक की भूमिका

(शिक्षक दिवस के अवसर पर सभी शिक्षाविदों, अभिभावकों एवं छात्र-छात्राओं के लिए संदेश)

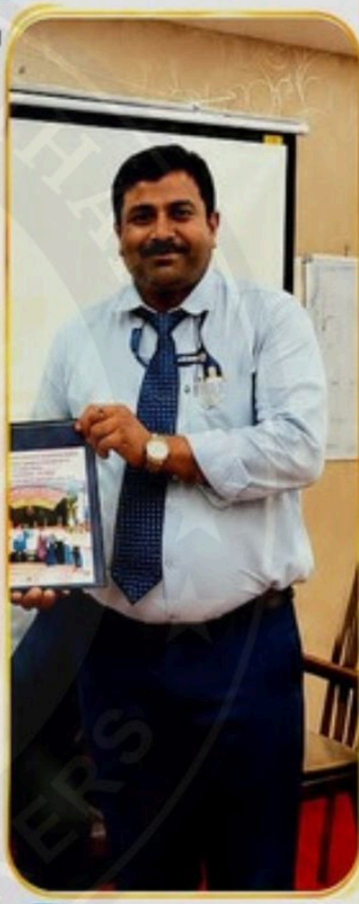

"मैं एक सरकारी शिक्षक हूँ। मेरा चयन वर्ष 2000 में बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा हुआ। प्रथम पदस्थापन अत्यंत दुर्गम क्षेत्र में हुआ, जहाँ आने-जाने के नाम पर कच्ची, निजी सवारी ही एकमात्र जरिया थी, दुर्गम रास्ते और उस पर डाकुओं का डर। फिर भी स्थानीय शिक्षकों, स्थानीय अभिभावकों और प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी महोदय का पूरा सहयोग मिला। उस समय सरकारी विद्यालयों की दशा अच्छी नहीं थी। बहुत कम ही विद्यालय ऐसे थे जिनके पक्के भवन थे, परंतु स्थानीय लोगों का बहुत सहयोग मिला।

वर्ष 2017 में मेरी प्रोन्नति प्रधानाध्यापक के पद पर हुई। आज 26 वर्षों के लंबे अनुभव के पश्चात मैंने पाया कि 2000 से 2017 तक सरकारी विद्यालयों की स्थिति बहुत अच्छी नहीं थी — कहीं भवन का अभाव था तो कहीं भूमि या। यदि भूमि और भवन थे तो पर्याप्त शिक्षक नहीं थे। उस समय विद्यालय विकास के नाम पर मिलने वाली राशि भी पर्याप्त नहीं थी। परंतु विगत दशक में सरकारी विद्यालयों की दशा और दिशा, दोनों में सुधार हुआ है। बिहार सरकार द्वारा शिक्षा को बदहाली से उबारने के काफी प्रयास किए जा रहे हैं — पक्के और चहारदीवारी युक्त विद्यालय भवन, सभी पंचायतों में +2 स्तर तक की शिक्षा, सार्वजनिक पुस्तकालय, प्रयोगशालाएँ, अटल टिंकरिंग लैब, आईसीटी और स्मार्ट क्लास के साथ-साथ बड़े पैमाने पर विषय-विशेष शिक्षकों की बहाली — यह इस बात का संकेत है कि सरकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने हेतु कमर कस चुकी है।

सरकारी विद्यालयों के बारे में एक और महत्वपूर्ण बात यह है कि इन विद्यालयों में पढ़ने वाले अधिकांश बच्चे कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि से आते हैं। इनके लिए सरकार द्वारा कक्षा 1 से 8 तक के सभी बच्चों को दोपहर का भोजन दिया जाता है। विगत दो वर्षों से निःशुल्क पुस्तकें, स्कूल बैग तथा पानी की बोतलें भी दी जा रही हैं। विद्यालय पोशाक एवं साइकिल, छात्रवृत्ति योजना तो वर्षों से लागू है। सरकार के इन प्रयासों से सरकारी विद्यालयों की स्थिति में काफी सुधार हुआ है। शिक्षक पूरे मनोयोग से पढ़ा रहे हैं, प्रतिदिन श्यामपद पर पाठ्यवार प्रश्नोत्तर लिखवाए जा रहे हैं। इन सब प्रयासों के बावजूद आज भी हम गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लक्ष्य से कुछ दूर हैं।

इन बातों पर जब मैं विचार करता हूँ तो पाता हूँ कि बच्चे के विकास हेतु जो पहला संस्थान हमारे यहां है — अभिभावक — वे कहीं न कहीं आज भी अपने ही पाल्यों के विकास के प्रति उदासीन हैं। हालाँकि अभिभावकों को जागरूक करने के प्रयास भी किए जा रहे हैं; अभिभावक-शिक्षक संगोष्ठी इसका ज्वलंत उदाहरण है। परंतु बच्चों का नियमित विद्यालय न आना, कुछ बच्चों द्वारा गृहकार्य पूरा न कर पाना, अभिभावकों की इसी उदासीनता को दर्शाता है। सरकार, विभाग एवं शिक्षक/प्रधानाध्यापक इसके लिए काफी प्रयास कर रहे हैं, बहरहाल अभिभावक कब तक सरकारी विद्यालयों और अपने पाल्यों के प्रति पूर्ण रूप से जागरूक हो पाएँगे, यह तो वक्त ही बताएगा। तब तक प्रयास जारी रहेगा।

"अंत में, शिक्षक दिवस के शुभ अवसर पर सभी शिक्षकों को समर्पित —

गुरू गोविंद दोउ खड़े,
काके लागूं पाँय।
बलिहारी गुरू आपनो,
गोविंद दियो बताय॥"

कौशल कुमार वर्मा
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि. अहवर शेख
मझौलिया, प. चंपारण

आईए, हम सब मिलकर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का संकल्प लें और अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य में सहभागी बनें।

शिक्षा | अभिभावक | छात्र-छात्राएँ

CHAMPARAN GYANAGRAH

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर | बेतिया भास्कर 06-04-2026

संडे पॉजिटिव | सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों, बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है, तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

---

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर, 08 मई, 2026 | बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

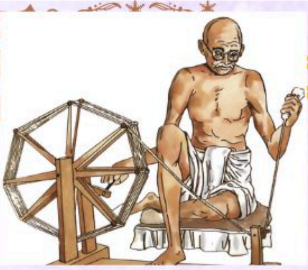

"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-8

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी: सत्य और अहिंसा के पुजारी 'बापू'

प्यारे बच्चों! जब आप भारतीय रुपये का कोई भी नोट देखते हैं, तो उस पर एक गोल चश्मे वाले मुस्कुराते हुए दादाजी की तस्वीर दिखाई देती है। पूरे देश के बच्चे उन्हें प्यार से 'बापू' कहते हैं और पूरा भारत उन्हें 'राष्ट्रपिता' मानकर नमन करता है। आज हम उन्हीं महात्मा गांधी के जीवन की प्रेरक कहानी सुनेंगे।

नन्हा 'मोनिया' और उसका बचपन:

गुजरात राज्य में समुद्र किनारे बसा एक सुंदर शहर है—पोरबंदर। इसी शहर में 2 अक्टूबर 1869 को एक बालक का जन्म हुआ। माता-पिता ने उसका नाम रखा मोहनदास। घर में सब उन्हें लाड़ से 'मोनिया' बुलाते थे।

उनके पिता का नाम करमचंद गांधी था, जो रियासत के दीवान थे, और माता का नाम पुतलीबाई था। माँ पुतलीबाई बहुत दयालु और धार्मिक विचारों वाली महिला थीं। बालक मोहनदास पर अपनी माँ के संस्कारों का गहरा असर पड़ा। बचपन में मोहनदास बहुत संकोची और सीधे-सादे थे। स्कूल की घंटी बजते ही वे सीधे घर भागते थे ताकि रास्ते में किसी से फालतू बातें न करनी पड़ें।

सत्य की पहली सीख:

एक बार स्कूल में पढ़ाई का निरीक्षण करने एक अधिकारी आए। उन्होंने बच्चों को अंग्रेज़ी के पाँच शब्द लिखने को दिए। मोहनदास ने 'केटल' (Kettle) शब्द की स्पेलिंग गलत लिख दी। शिक्षक ने इशारे से कहा कि बगल वाले बच्चे की कॉपी से देखकर ठीक कर लो, लेकिन मोहनदास ने नकल नहीं की। वे भले ही उस दिन डांट खा गए, लेकिन उन्होंने नकल करके झूठ का सहारा नहीं लिया।

बचपन में उन्होंने एक बार सोने का एक छोटा टुकड़ा चुरा लिया था। इस गलती से उनका मन इतना दुखी हुआ कि उन्होंने एक पत्र लिखकर अपने पिता के सामने रोते हुए अपनी भूल स्वीकार कर ली और सजा माँगी। पिता ने पत्र पढ़कर उन्हें गले से लगा लिया। उस दिन नन्हे मोहनदास ने जीवन भर केवल सच बोलने का संकल्प लिया।

इंग्लैंड से पढ़ाई और दक्षिण अफ्रीका की यात्रा:

बड़े होकर मोहनदास कानून (वकालत) की पढ़ाई करने इंग्लैंड गए और बैरिस्टर बनकर लौटे। इसके बाद वे एक मुकदमे के सिलसिले में दक्षिण अफ्रीका गए। वहाँ उन्होंने देखा कि गोरे लोग भारतीयों और काले लोगों के साथ बहुत बुरा व्यवहार करते थे।

एक दिन जब गांधीजी पहली श्रेणी (फर्स्ट क्लास) का टिकट लेकर ट्रेन में बैठे थे, तो उन्हें केवल उनके रंग के कारण ट्रेन से नीचे फेंक दिया गया। उस ठंडी रात में स्टेशन पर बैठकर उन्होंने तय किया कि वे अन्याय के खिलाफ लड़ेंगे—लेकिन बिना किसी लाठी या बंदूक के, केवल सत्य और अहिंसा (सत्याग्रह) के बल पर।

भारत की आज़ादी और बापू के महान आंदोलन:

भारत लौटकर गांधीजी ने देश को अंग्रेज़ों की गुलामी से आज़ाद कराने की ठानी। उन्होंने साधारण धोती पहनना शुरू किया, चरखे से खुद सूत काता और पूरे देश के किसानों, मजदूरों और बच्चों को एकजुट किया।

* सत्याग्रह आंदोलन: 1917 ई. में बिहार के चंपारण से उन्होंने भारत में अपना पहला सत्याग्रह आंदोलन शुरू किया।
- असहयोग आंदोलन: अंग्रेज़ी सामान और स्कूलों का बहिष्कार करना सिखाया।
- दांडी यात्रा: नमक जैसी रोज़मर्रा की चीज़ पर लगे कर (टैक्स) के खिलाफ समुद्र किनारे पैदल चलकर नमक बनाया।
- भारत छोड़ो आंदोलन (1942): अंग्रेज़ों को साफ शब्दों में कहा—"भारत छोड़ो" और देशवासियों को मंत्र दिया—"करो या मरो"।

गांधीजी की ताकत कोई सेना नहीं थी, बल्कि उनकी सच्चाई, शांति और निडरता थी। आखिरकार 15 अगस्त 1947 को भारत आज़ाद हुआ। 30 जनवरी 1948 को बापू इस दुनिया को अलविदा कह गए, लेकिन उनके विचार हमेशा के लिए अमर हो गए।

बच्चों के लिए सीख:

बापू के जीवन से हमें तीन बातें ज़रूर सीखनी चाहिए:

1. कभी झूठ मत बोलो, चाहे गलती कितनी भी बड़ी हो।
2. किसी से लड़ाई-झगड़ा या हिंसा मत करो, अपनी बात प्यार और शांति से समझाओ।
3. अपना काम खुद करने की आदत डालो और स्वच्छता को अपना सबसे अच्छा दोस्त बनाओ।

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)
📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org